SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक प्रतिवेदन
Annual Report
2007-08

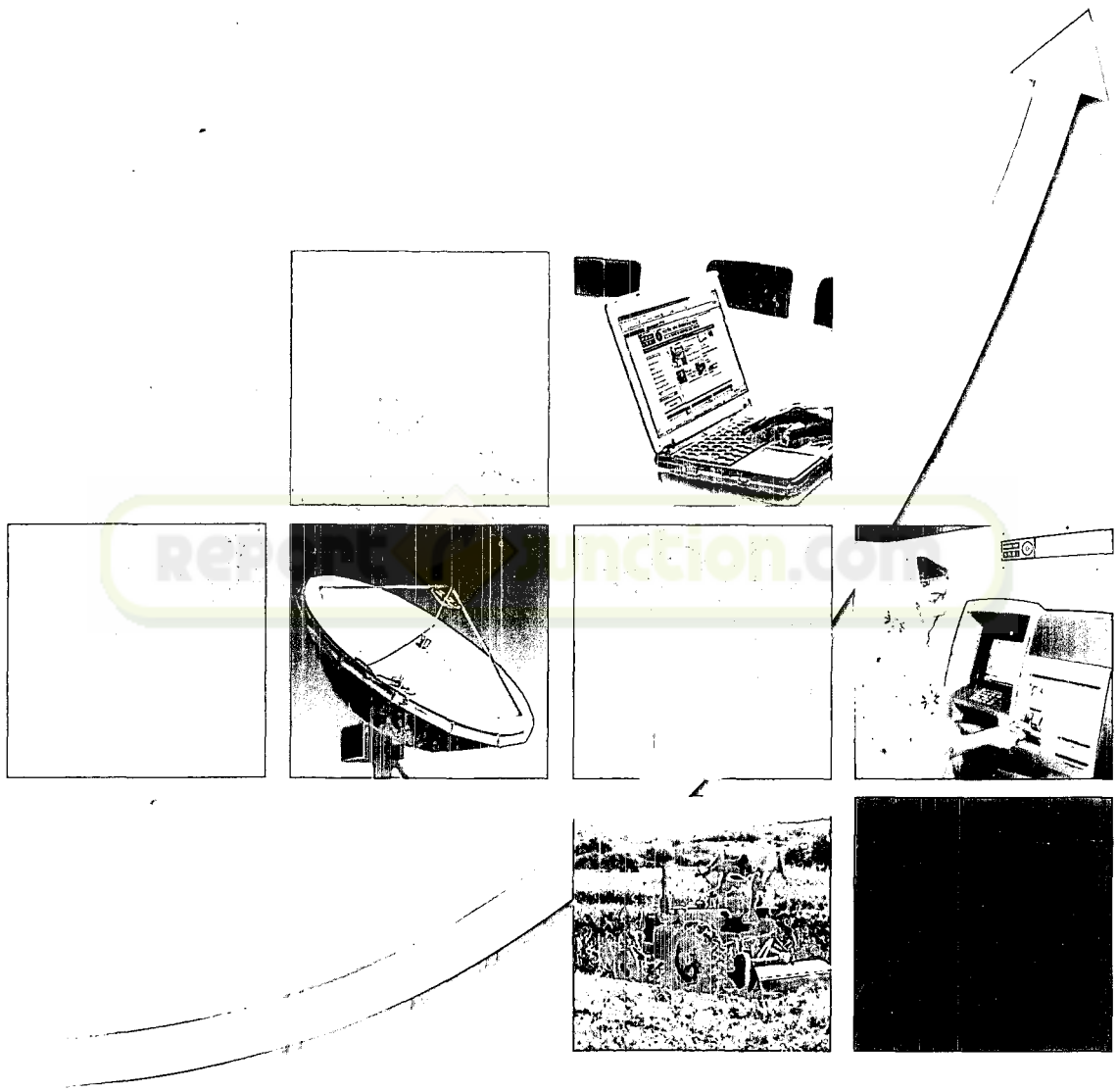

1963 2008

एस बी बी जे
S B B J

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

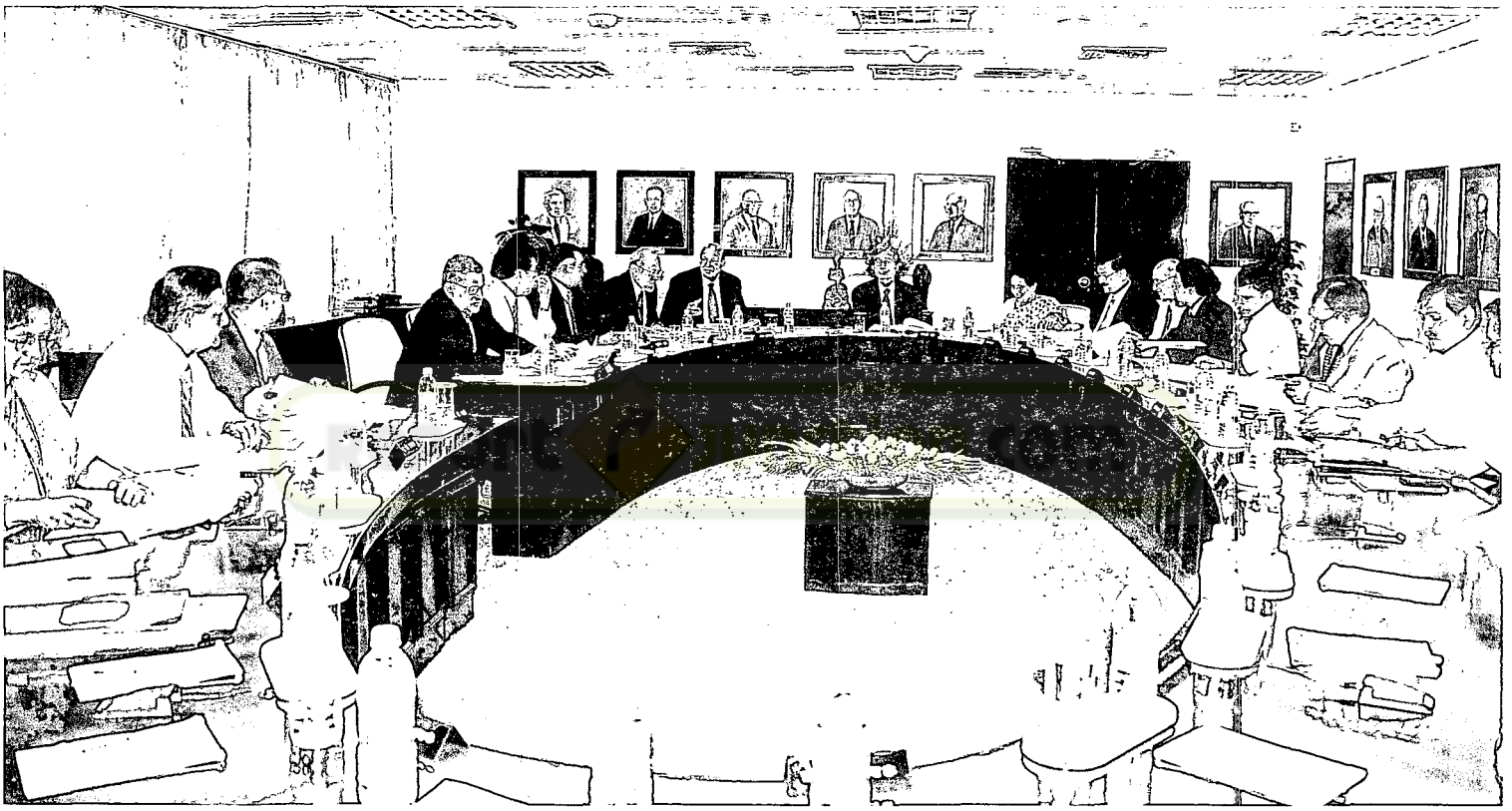

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य

View of the Meeting of the Board of Directors

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर-302 005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की सैतालीसवीं वार्षिक साधारण सभा **महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम (भारतीय विद्या भवन), के.एम. मुन्शी मार्ग, ओ.टी.एस. के सामने, जयपुर में शुक्रवार, दिनांक 30 मई, 2008 को प्रातः 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार कर पारित किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

अरुण शाण्डिल्य
प्रबन्ध निदेशक

जयपुर
दिनांक : 29.04.2008

Notice

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme
Jaipur-302 005

NOTICE is hereby given that the Forty Seventh Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Maharana Pratap Auditorium (Bhartiya Vidya Bhavan), K. M. Munshi Marg, Opp. O. T. S., Jaipur on Friday, the 30th May, 2008 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss and adopt the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2007 to 31st March, 2008.

By Order of the Board

Arun Shandilya
Managing Director

Jaipur
Dated : 29.04.2008

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय-सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
बासेल-II प्रकटीकरण	58
Basel-II Disclosures	59
तुलन-पत्र	92
Balance Sheet	93
लाभ-हानि खाता	94
Profit & Loss Account	95
अनुसूचियां	96
Schedules	96
प्रमुख लेखा नीतियां	108
Principal Accounting Policies	109
खातों पर टिप्पणियाँ	114
Notes on Accounts	115
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	146
Auditors' Report	147

उन्नति का एक दशक 1999-2008

A Decade of Progress 1999-2008

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	प्रति कर्मचारी निवल लाभ (रुपये लाख में) Net Profit Per Employee (Rs. in lakh)
मार्च March 1999	419.35	12223	162.12	91.88	787	0.74	1.14
मार्च March 2000	523.12	14018	237.88	120.42	794	0.86	1.69
मार्च March 2001	609.20	16065	268.30	105.37	799	1.05	0.77
मार्च March 2002	752.11	17592	390.61	164.50	802	1.29	1.31
मार्च March 2003	903.45	20391	440.85	203.28	804	1.46	1.63
मार्च March 2004	1148.57	25457	681.35	301.52	812	1.70	2.44
मार्च March 2005	1297.68	31294	729.64	205.65	824	2.20	1.69
मार्च March 2006	1405.66	37790	481.03@	145.03	832	2.77	1.20
मार्च March 2007	1653.71	49246	679.20@	305.80	844	3.56	2.57
मार्च March 2008	1713.21	59427	661.18@	315.00	850	4.45	2.73

@ निवेशों के मूल्यांकन के लिए भारिबैं द्वारा जारी पुनरीक्षित दिशा निर्देशों को दृष्टिगत करते हुए।
Revised keeping in view RBI guidelines on valuation of investments.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in crore)

		2006-07	2007-08
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits		49246	**59427**
जमा राशियाँ Deposits		28480	**34108**
कुल अग्रिम Total Advances		20766	**25319**
अग्रिम (निवल) Advances (Net)		20526	**25076**
निवेश (निवल) Investments (Net)		8735	**10498**
निवल लाभ Net Profit		305.80	**315.00**
जमाओं की लागत Cost of Deposits		5.30%	**6.43%**
अग्रिमों पर आय Yield on Advances		9.46%	**10.56%**
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin		3.19%	**2.69%**
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियां Paid-up Capital & Reserves		1653.71	**1713.21**
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)		611.61	**630.00**
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)		3307	**3426**
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	बासेल-I के अनुसार As per Basel-I	12.89%	**13.50%**
	बासेल-II के अनुसार As per Basel-II	-	**12.51%**
लाभांश दर Dividend Rate		100%	**100%**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non-Performing Assets		463.03	**437.31**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross NPA %		2.23%	**1.73%**
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां Net NPA %		1.09%	**0.83%**
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors		8474	**10472**
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture		3714	**4493**
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries		1967	**2675**
लघु व्यवसाय व अन्य प्राथमिकता क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Business & Other Priority Sectors		2793	**3304**
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards		410160	**471340**
निर्यात वित्त Export Finance		1833	**1801**
शाखाओं की कुल संख्या Total number of branches		844	**850**
कोर बैंकिंग शाखाओं की संख्या No. of Core Banking branches		844	**850**
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees		12499	**12161**
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee		3.56	**4.45**

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल

श्री ओ. पी. भट्ट अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री अरुण शाण्डिल्य प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्रीमती भारती राव उप प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य विकास अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री रमेश चन्द्र मुख्य महाप्रबन्धक (सेवानिवृत्त) भारतीय रिजर्व बैंक 24, आकाश गंगा कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, प्लॉट नं. 3, सेक्टर 56, सुशांत लोक-II गुड़गाँव - 122 003	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री जीबन गोस्वामी मुख्य महाप्रबन्धक सहयोगी बैंक विभाग भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एस. ए. थिमैया उप महाप्रबन्धक सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री संजय बापना हीराबाग, रामसिंह रोड, जयपुर - 302004	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री संजय निरनवाल ए-208, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
डॉ. संजीव अग्रवाल ए-226, शिवानन्द मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री एम. के. मल्होत्रा उप सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय वित्तीय सेवा विभाग संसद मार्ग, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री अशोक कुमार शुक्ला विशेष सहायक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर बिरहाना रोड, कानपुर - 208 001	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri O.P. Bhatt Chairman State Bank of India Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri Arun Shandilya Managing Director State Bank of Bikaner & Jaipur Head Office, Tilak Marg, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Smt. Bharati Rao Dy. Managing Director & Chief Development Officer State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ramesh Chander Chief General Manager (Retd.) Reserve Bank of India 24, Akash Ganga Cooperative Group Housing Society, Plot No. 3, Sector 56, Sushant Lok-II, Gurgaon-122 003	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Jiban Goswami Chief General Manager Associate Banks Deptt., State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S. A. Thimmiah Dy. General Manager Associate Banks Deptt. State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Sanjay Bapna Hira Bagh, Ramsingh Road Jaipur (Raj.) - 302 004	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Sanjay Niranwal A-208, Triveni Nagar Gopalpura ByePass, Jaipur	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Dr. Sanjiv Agarwal A-226, Shivanand Marg Malviya Nagar, Jaipur-302017	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri M. K. Malhotra Dy. Secretary Govt. of India, Ministry of Finance Deptt. of Financial Services Parliament Street, New Delhi.	Nominated by the central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ashok Kumar Shukla Special Assistant State Bank of Bikaner & Jaipur Birhana Road Kanpur - 208 001	Nominated by the central Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

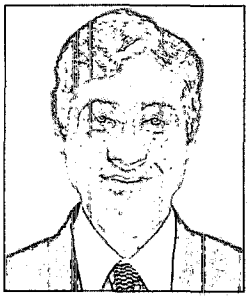

श्री ओ. पी. भट्ट
अध्यक्ष
Shri O. P. Bhatt
Chairman

श्री अरुण शाण्डिल्य
प्रबन्ध निदेशक
Shri Arun Shandilya
Managing Director

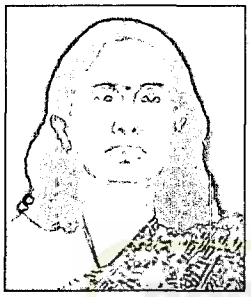

श्रीमती भारती राव
Smt. Bharati Rao

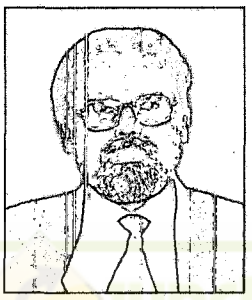

श्री रमेश चन्द्र
Shri Ramesh Chander

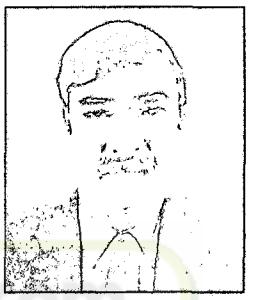

श्री जीबन गोस्वामी
Shri Jiban Goswami

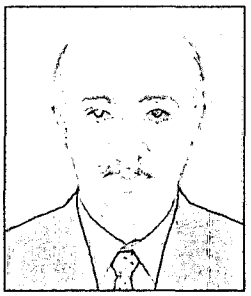

श्री एस. ए. थिमैया
Shri S. A. Thimmiah

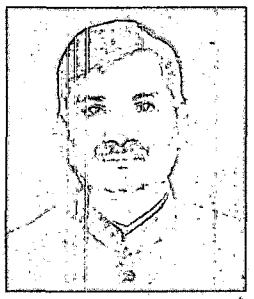

श्री संजय बापना
Shri Sanjay Bapna

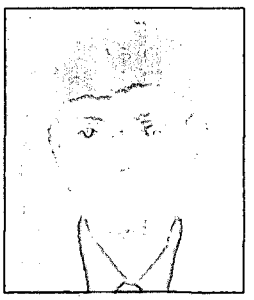

श्री संजय निरनवाल
Shri Sanjay Niranwal

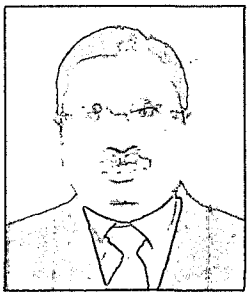

डॉ. संजीव अग्रवाल
Dr. Sanjiv Agarwal

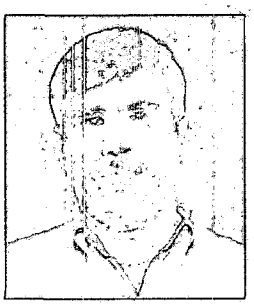

श्री एम. के. मल्होत्रा
Shri M. K. Malhotra

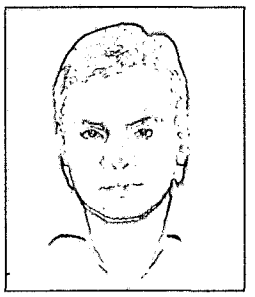

श्री अशोक कुमार शुक्ला
Shri Ashok Kumar Shukla

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2008 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था

वर्ष 2007-08, वैश्विक वित्तीय बाज़ारों में अत्यन्त उतार-चढ़ाव का वर्ष रहा है जिसका मुख्य कारण अमरीका में जुलाई 2007 से जारी सब-प्राइम मोर्टगेज संकट था। विश्व आर्थिक परिदृश्य (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अप्रैल 2008) के अनुसार विश्व उत्पाद में वर्ष 2006 की 5.0% की वृद्धि दर, वर्ष 2007 में 4.9% तथा आगामी वर्ष 2008 में 3.7% तक कम होने का अनुमान है। भारत एवं चीन विश्व में तीव्रतम गति से विकसित हो रहे राष्ट्रों के समूह में निरन्तर बने हुए हैं। तथापि, वैश्विक पूँजी, मुद्रा एवं जिन्स बाजारों में असीम अस्थिरता, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें प्रति बैरल 100 अमरीकी डॉलर से कहीं अधिक रहना, पुनः उभरती मुद्रास्फीति का दबाव तथा विश्व भर में वृहत् आर्थिक असन्तुलन लगातार चिन्ता के विषय बने हुए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

विश्व में आर्थिक धीमेपन के उपरान्त भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय दृढ़ता प्रदर्शित की है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार, वर्ष 2007-08 के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद (1999-2000 की कीमतों पर) में 8.7% की वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है जो कि वर्ष 2006-07 में 9.6% थी। वर्ष 2006-07 के दौरान हुई कृषि, औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्रों की क्रमशः 3.8%, 10.6% तथा 11.2% की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2007-08 में इन क्षेत्रों में क्रमशः 2.6%, 8.6% तथा 10.6% की वृद्धि दर रहने का अनुमान है। औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में अप्रैल-फरवरी 2007-08 के दौरान 8.7% की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष के तुलनात्मक समय में 11.2% थी। अप्रैल-फरवरी 2007-08 में मुख्य ढांचागत उद्योगों की वृद्धि दर 5.6% तक धीमी हो गई जो गत वर्ष की इसी अवधि में 8.7% थी।

वर्ष 2007-08 की अधिकांश कालावधि में अमरीकी डॉलर के मुकाबले रुपये की तीव्र मूल्यवृद्धि के बावजूद वर्ष के दौरान भारत के निर्यात (अमरीकी डॉलर में) 23.0% की दर से बढ़े हैं जबकि आयात में 27.0% की वृद्धि दर्ज हुई है। उच्चतर व्यापार घाटे के बावजूद, अदृश्य प्राप्तियाँ, मूल्यों में परिवर्तन एवं पूँजीगत अन्तर्वाह, विशेषकर विदेशी प्रत्यक्ष एवं संविभागीय निवेश, वर्ष के दौरान विदेशी विनिमय कोष को 300 बिलियन अमरीकी डॉलर के पार ले जाने में सहायक बने रहे। अन्त-मार्च 2008 तक भारत का विदेशी विनिमय कोष 309.7 बिलियन अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुँच गया, जो कि अन्त-मार्च 2007 के स्तर से 110.5 बिलियन अमरीकी डॉलर अधिक था।

भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किये गये वित्तीय एवं मौद्रिक उपायों के फलस्वरूप थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर 7 अप्रैल 2007 के 6.44% के स्तर से गिरकर 13 अक्टूबर 2007 को 3.07% के न्यूनतम स्तर तक आ गई। इसके बाद खाद्यान्न, ईंधन तथा जिन्स मूल्यों की विश्वभर में हुई मूल्यवृद्धि के कारण 29 मार्च 2008 को समाप्त सप्ताह में बढ़कर यह तीन वर्ष के अधिकतम स्तर 7.41% हो गई। मध्यम अवधि का मुख्य उद्देश्य मुद्रास्फीति दर को 3% तक नीचे लाना है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान राज्य जो कि 3.42 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (1999-2000 की कीमतों पर) की वृद्धि दर गत वर्ष की 6.76% से बढ़कर वर्ष 2007-08 में 7.08% होने का अनुमान है। राज्य की स्थिर मूल्यों पर आधारित प्रति व्यक्ति आय,

श्री अरुण शाण्डिल्य, प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान के महामहिम राज्यपाल श्री एस. के. सिंह से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

Shri Arun Shandilya, Managing Director, paying a courtesy visit to H.E. Shri S.K. Singh, Governor of Rajasthan.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

Report of the Board of Directors to the State Bank of India, the Reserve Bank of India and the Government of India in terms of Section 43(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act 1959.

Period covered by the Report : 1st April 2007 to 31st March 2008

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2008.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

WORLD ECONOMY

The year 2007-08 has been a year of major turbulence in the global financial markets triggered by the US sub-prime mortgage crisis since July 2007. According to World Economic Outlook (International Monetary Fund, April 2008), global GDP growth is expected to decelerate from 5.0% in 2006 to 4.9% in 2007 and further to 3.7% in 2008. India and China continue to remain in the league of the fastest growing nations in the world. However, high volatility in global equity, currency and commodity markets, rising international crude oil prices to well over US$ 100 per barrel, re-emergence of inflationary pressures and global macro-economic imbalances continue to be the major areas of concern.

INDIAN ECONOMY

Indian economy has exhibited remarkable resilience notwithstanding global economic slowdown. As per the advance estimates made by the Central Statistical Organisation, India's GDP at 1999-2000 prices is expected to record a growth of 8.7% in 2007-08, over and above 9.6% in 2006-07. The growth of agriculture, industry and services sector is estimated at 2.6%, 8.6% and 10.6% during 2007-08, as against 3.8%, 10.6% and 11.2% respectively during 2006-07. The Index of Industrial Production recorded a growth of 8.7% during April-February 2007-08, compared to 11.2% during corresponding period last year. The growth of core infrastructure industries slowed to 5.6% during April-February 2007-08, compared to 8.7% in the corresponding period last year.

Despite sharp appreciation of the Rupee against US dollar for most part of 2007-08, India's exports recorded a growth of 23.0% in US dollar terms, while imports recorded a growth of 27.0%. Notwithstanding a higher trade deficit, invisible receipts, valuation changes and capital inflows particularly foreign direct and portfolio investments, helped in foreign exchange reserves crossing the US$ 300 billion mark during the year. As at end-March 2008, India's foreign exchange reserves stood at record US$ 309.7 billion, signifying an increase of US$ 110.5 billion over end-March 2007 level.

With a host of fiscal and monetary measures taken by Government of India and Reserve Bank of India, WPI inflation declined from 6.44% on April 7, 2007 to touch a low of 3.07% on October 13, 2007 whereafter it increased to a three-year high of 7.41% for week ended March 29, 2008 on account of upsurge in food, fuel and commodity prices globally. The medium term objective is to bring down the rate of inflation to 3%.

RAJASTHAN ECONOMY

Geographically spread over 3.42 lakh sq. kms, Rajasthan is the largest State in the country. During 2007-08, the Gross State Domestic Product at 1999-2000 prices is expected to record a growth of 7.08% as against 6.76% in the previous year. The Per Capita Income of the State at constant prices is expected to increase to Rs.16,260 during 2007-08, as against Rs.15,420 in 2006-07, recording a growth of 5.45%.

तत्कालीन प्रबन्ध निदेशक श्री एस. के. भट्टाचार्य, अक्षय पात्र फाउन्डेशन (जो सरकारी विद्यालयों में मिड-डे मील कार्यक्रमों का संचालन करती है) को मोबाइल वैन प्रदान करते हुए।

Former Managing Director Shri S. K. Bhattacharyya, donating a Mobile Van to Akshaya Patra Foundation (which runs Mid-day Meal programmes for Government Schools).

www.reportjunction.com

वर्ष 2006-07 के रुपये 15,420 से बढ़कर वर्ष 2007-08 में रुपये 16,260 होने का अनुमान है जो कि 5.45% की वृद्धि दर दर्शाती है।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्त्वपूर्ण भूमिका है चूँकि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में इसका योगदान लगभग 30% है और आबादी का 70% हिस्सा अपनी आजीविका हेतु कृषि एवं कृषि पर आधारित गतिविधियों पर निर्भर है। वर्ष 2007-08 के दौरान राज्य में अनिश्चित मानसून के कारण कुल मिलाकर सामान्य से 10% कम वर्षा हुई। राज्य में वर्ष 2007-08 में खाद्यान्न का उत्पादन 155.1 लाख टन रहने की सम्भावना है जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 4.05% अधिक है। समग्र रूप से वर्ष 2007-08 के दौरान राज्य में कृषि क्षेत्र की वृद्धि की दर 8.8% रहने की सम्भावना है, जो कि राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र की 2.6% की वृद्धि दर के अनुमान से उत्तम है।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियाँ

बैंकिंग क्षेत्र के लिये वर्ष 2007-08 कुछ कठिनाइयों से भरा वर्ष रहा है। वित्तीय वर्ष के प्रथम तीन तिमाहियों में विदेशी प्रत्यक्ष एवं संविभागीय निवेश के रूप में देश में भारी तरलता अन्तर्वाह के बावजूद, ब्याज दरें ऊर्ध्वोन्मुखी रहीं जबकि ऋणों की वृद्धि दर कुछ धीमी रही। 28 मार्च 2008 को, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियों में वार्षिक रूप में 22.2% की वृद्धि दर्ज की गई जो गत वर्ष की इसी अवधि की 23.8% की वृद्धि दर से कम है। अग्रिमों की वृद्धि भी मन्द हो कर पिछले वर्ष की इसी अवधि की 28.1% की तुलना में 21.6% रही। मुद्रास्फीति के दबावों को कम करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वर्ष के दौरान प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात में 150 आधार बिन्दु की वृद्धि कर इसे 7.50% किया गया और नकदी निधि अनुपात पर ब्याज भुगतान किया जाना बन्द कर दिया गया। वर्ष के दौरान प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली जमा राशियों की ब्याज दरें अन्त-मार्च 2007 की 7.25-9.5% से बढ़कर अन्त-अक्टूबर तक 8.0-9.5% हो गईं तथा अन्त-मार्च 2008 तक 8.25-9.0% तक रह गईं। प्रमुख बैंकों की बेंचमार्क मूल उधार दरें सम्बन्धित समयानुरूप 12.25-12.75% से बढ़कर 12.75-13.25% हो गईं तथा अन्त-मार्च 2008 तक 12.25-12.75% रह गईं। वित्तीय वर्ष की प्रथम तीन तिमाहियों के दौरान पूँजी बाजार तीव्र ऊँचाई की ओर बढ़ते रहे और बीएसई सूचकांक ने दिनांक 10 जनवरी 2008 को 21,207 के अब तक के सर्वोच्च स्तर को छुआ। तत्पश्चात् विश्व भर में बिकवाली के क्रम में बाजार तेजी से गिरे। अन्त-मार्च 2008 को बीएसई सूचकांक अन्त-मार्च 2007 के स्तर से 2,572 बिन्दुओं (19.7%) की वृद्धि के साथ 15,644 पर बन्द हुआ।

वर्ष 2007-08 के दौरान वित्तीय समावेशन पर बल देने, विवेकशील मानदण्डों को मजबूत करने एवं मौद्रिक नीतियों में कसाव लाने हेतु विभिन्न उपायों के अतिरिक्त बैंकों द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में समुचित एवं समयबद्ध वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने के प्रयास किये गये। इनमें से कुछ महत्त्वपूर्ण नीतियुक्त परिवर्द्धन इस प्रकार रहे :-

- बैंकों को, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को उधार के संशोधित दिशा-निर्देश जारी किये गए।
- किसानों के लिए 7% की घटी हुई ब्याज दर पर रुपये 3 लाख तक की अल्पावधि ऋण योजना वर्ष 2007-08 व 2008-09 के लिये भी जारी रखी गई।
- बैंकों को सूचना तकनीकी एवं सरलीकृत 'अपने ग्राहक को जानिए' नियमों का व्यापक उपयोग करते हुये वित्तीय समावेशन पर अधिक बल देने के दिशा-निर्देश दिये गए।
- पूँजी खाते में परिवर्तनीयता की दिशा में कुछ महत्त्वपूर्ण कदम यथा भारतीय नागरिकों की विदेशों में व्यक्तिगत लेनदेन की सीमा को एक वित्तीय वर्ष में 50,000 अमरीकी डॉलर से बढ़ाकर 200,000 अमरीकी डॉलर करना, निगमों एवं म्युच्युअल कोषों द्वारा विदेशों में निवेश सम्बन्धी नियमों को उदार बनाना, बाह्य वाणिज्यिक उधारों के समय पूर्व भुगतान की अनुमति जैसे कदम उठाये गये।
- सहभागिता पत्रों पर नियंत्रण घोषित करने सहित पूँजी अन्तर्वाह को धीमा करने के उपाय किये गए।
- रुपये 20 लाख तक के आवास ऋणों पर जोखिम प्रभार को 75% से घटाकर 50% किया गया। शिक्षा ऋणों पर भी जोखिम प्रभार 125% से घटाकर 'गैर उपभोग साख' के समतुल्य लाया गया।
- वर्ष 2008-09 के केन्द्रीय बजट में भी, कृषि ऋणों को 280,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना, वित्तीय समावेशन के लिए नये कोषों की स्थापना तथा किसानों के लिए ऋण माफी एवं ऋण राहत योजना जैसे उपायों की घोषणा की गई।

सम्भावनाएँ, चुनौतियाँ एवं परिदृश्य

वर्ष 2008-09 ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का द्वितीय वर्ष है, जिसका निर्दिष्ट उद्देश्य ''तीव्र एवं अधिक अन्तर्विष्ट विकास की ओर'' है। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में सकल घरेलू उत्पादन में 9% की वृद्धि दर बनाये रखना व कृषि विकास दर का लक्ष्य 4.1% अनुमानित किया गया है। विश्व अर्थव्यवस्था में गिरावट के बावजूद, संसार के तीव्रतम गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में भारत बना हुआ है। प्रक्रियाधीन वृहद् पूँजी निवेश, बढ़ रही जमाएँ/अग्रिम, गैर ब्याज आय का बढ़ता क्षेत्र, तथा लोगों की उच्च प्रयोज्य आय में बढ़ोतरी बैंक व्यवसाय के लिए अच्छी सम्भावनाएँ प्रस्तुत करतीं हैं। तकनीक-चालित प्रयासों के स्थापित हो जाने तथा व्यवसाय प्रक्रिया पुनः अभियांत्रिकी पहलों के गति पकड़ने से बैंक अब योजनाबद्ध तरीके से सभी वर्ग के ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में समर्थ है, जो कि बैंक को एक सशक्त प्रतिस्पर्द्धात्मक दक्षता प्रदान करता है।

राजस्थान भी देश के उत्तरी भाग में वृहद् निवेश का केन्द्र बनकर उभर रहा है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष के दौरान आयोजित 'रिसर्जेन्ट राजस्थान : पार्टनरशिप समिट' इसका प्रमाण है, जिसमें 1,62,000 करोड़ रुपये के निवेश के लगभग 300 विनियोग प्रस्ताव राज्य को प्राप्त हुए। इसके साथ ही राज्य सरकार का जोर मानसून पर निर्भरता को कम कर राज्य को सूखा विहीन बनाने, औद्योगिक नीतियों का उदारीकरण, ऊर्जा क्षेत्र में आधिक्य वाला राज्य बनाना एवं विशेष आर्थिक क्षेत्रों पर जोर देना आदि राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत हैं और इससे आगामी वर्षों में बैंक के लिए अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

www.reportjunction.com